अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 21-12-2018**

समय सीमा : 3 घंटा **द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 13

(क) तेरापंथ के उद्‌भव काल में तेरापंथ में कितने व कौन से तीर्थ थे?

(ख) मनोविज्ञान में मनुष्य को कितने व कौन-कौन से भागों में बांटा जाता है?

(ग) विरोधी वातावरण में समाज का मनोबल मजबूत रहे, इस दृष्टि से आचार्य तुलसी ने कौन सा घोष दिया?

(घ) 'चएज्जं देहं न हु धम्मसासणं' इस आगम का अर्थ क्या है?

(ङ) जैन आगम 'नन्दी सूत्र' में संघ को किन-किन नामों से उपमित किया गया है?

(च) भिक्षु चेतना वर्ष मनाने की विधिवत घोषणा कब हुई?

(छ) मुनिपत जी की दीक्षा के प्रसंग में जब जयाचार्य के नाम का वारंट जारी किया गया, उस समय के वे दो कौन से प्रमुख श्रावक थे जिन्होंने संकल्प किया कि हम जीते जी शासन पर आंच नहीं आने देंगे? नाम लिखें।

(ज) कामी किसे कहते हैं?

(झ) बाल तप का अर्थ क्या है?

(ञ) आचार्य कुन्द-कुन्द के अनुसाद पुण्य की इच्छा कौन करते हैं?

(ट) वंदना की कसौटी क्या है?

(ठ) जैन सिद्धान्त दीपिका और आचार्य तुलसी आचार्य भिक्षु के दान दया के सिद्धान्तों को सुनकर आचार्य महाप्रज्ञ ने कौन सी पुस्तक लिखी?

(ड) 'आयुष्य टूट सकता है अकाल मृत्यु हो सकती है।' विज्ञान और आगम के आधार पर यह खोज किसने की? और इसको चिन्तन-मनन के बाद स्वीकृत किसने किया?

(ढ) आपके संघ में सोहल आना समाजवाद है, यह कथन किसने किससे कहे?

(ण) आचार्य महाप्रज्ञ को युवाचार्य पद कब व कहां दिया गया?

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 15

(क) उपासना, स्तुति और भक्ति ये शब्द किन अर्थों में प्रयुक्त होते हैं?

(ख) जयाचार्य ने राजस्थानी भाषा में कौन-कौन से ग्रन्थों का पद्यानुवाद किया?

(ग) आचार्य तुलसी के आचार्य काल के पचास वर्ष पूर्ण होने पर धर्मसंघ ने कौन सा समारोह किस रूप में मनाया?

(घ) साधन के उपयोग हेतु चिन्तन के मुख्य बिन्दु क्या थे?

(ङ) आगम के कितने व कौन-कौन से व्यवहार उल्लखित हैं?

(च) लौकिक धर्म और मोक्ष धर्म इस विषय में आचार्य भिक्षु का स्पष्ट दृष्टिकोण क्या था?

(छ) आचार्य की कसौटियों के नाम लिखें।

(ज) बारह व्रत की चौपाई में आचार्य भिक्षु ने सर्वश्रेष्ठ तपस्या किसे और क्यों बताया?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) 'पुण्य बन्ध है उसे क्षीण किए बिना मोक्ष नहीं होता, इस स्थापना में सभी दर्शन एक है।' स्पष्ट करें।

(ख) जैन साधु-साध्वियां आज भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं, इसका श्रेय है जैनाचार्यों द्वारा प्रदत्त व्यवस्था और मर्यादाओं को। स्पष्ट करें।

(ग) 'विकास महोत्सव' पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए। 30

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा लिखित संविधान में वैचारिक संघर्ष को मिटाने की आचार-संहिता क्या है? बताते हुए उसके निष्कर्ष बिन्दुओं का विवेचन करें।

(ख) तेरापंथ के साधु-साध्वी कलात्मक जीवन जीते हैं। इस कथन को स्पष्ट करें।

(ग) तेरापंथ की तीसरी शताब्दी के कुछ नये आयामों का वर्णन करें।

भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों की सप्रसंग भावार्थ करें। 15

(क) मींगण्यां री अग्नि.....अधिकी थाय।

(ख) सूतर अर्थ.....आठमो तेह ए।

(ग) अथिर वेग.....री माया।

(घ) तिम कुगुरु.....अंध अदेख।

(ङ) राते भूला.....रा झूला।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) ग्यान रूप.....गुण चीर।

(ख) गुर भगता.....तिण ठांम।

(ग) लोक मांहे.....पेट रे मांहि।

प्र. 7 कोई तीन विषयों पर पद्य लिखें। 6

(क) परख

(ख) दुःषमाकाल

(ग) उपदेष्टा

(घ) असाधु

(ङ) द्वेष।